दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड में नाबालिग बच्ची के यौन शोषण के विरोध में महिलाओं ने निकाला मौन मोर्चा

बीड । ३० जून:
बीड शहर में एक नाबालिग बच्ची के साथ हुए यौन शोषण की घटना के खिलाफ आज (३० जून) शाम ७ बजे छत्रपती शिवाजी महाराज चौक पर एक कैंडल मार्च निकाला गया।
इस मौन विरोध प्रदर्शन में समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की। मौन कैंडल मार्च के ज़रिए महिलाओं ने यह संदेश दिया कि समाज में इस प्रकार की घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-३३० वा मंगळवार १ जुलै २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

बीड की नाबालिग से दुष्कर्म मामले में धनंजय मुंडे ने की मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से मुलाकात

महिला IPS अधिकारी की अध्यक्षता में SIT गठन की मांग, मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिया सकारात्मक आश्वासन

मुंबई / ३० जून (जमीर काजी)
राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री विधायक धनंजय मुंडे ने बीड में नाबालिग लड़की के साथ हुए यौन शोषण मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री व बीड जिले के पालक मंत्री अजित पवार से विधान भवन, मुंबई में मुलाकात कर विशेष जांच दल (SIT) के गठन की मांग की। उन्होंने एक पत्र सौंपते हुए मांग की कि बीड जिले के बाहर सेवा में कार्यरत किसी वरिष्ठ महिला IPS अधिकारी की अध्यक्षता में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके।
मुंडे ने पत्र में उल्लेख किया कि उमाकिरण संकुल के कोचिंग क्लास में आरोपी विजय पवार और प्रशांत खटावकर ने एक नाबालिग छात्रा का लंबे समय तक यौन शोषण किया। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को नाटकीय ढंग से एक अन्य तालुका में तैनात अधिकारी के माध्यम से गिरफ्तार तो किया, लेकिन जांच की दिशा अब तक संतोषजनक नहीं रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों आरोपियों को स्थानीय राजनेताओं का संरक्षण प्राप्त है, जिसकी वजह से अन्य पीड़ित लड़कियां सामने आने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही हैं। साथ ही, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के दबाव में आकर पुलिस इन आरोपियों को बचाने की कोशिश कर सकती है। इसलिए एक निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच के लिए महिला खझड अधिकारी की निगरानी में डखढ का गठन आवश्यक है।
धनंजय मुंडे ने पुलिस जांच में हुई लापरवाहियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जैसे कि - डिजिटल साक्ष्य जैसे उञ्ठ, खझञ्ठ, व्हाट्सऐप चैट, इंस्टाग्राम संदेश, प्राइवेट कॉल रिकॉर्ड, मोबाइल डेटा, वीडियो, फोटो आदि अब तक जब्त नहीं किए गए हैं। इसके अलावा १३ जून से पहले का उउढत फुटेज भी उपलब्ध नहीं है, जो जांच में एक बड़ी कमी दर्शाता है।
उन्होंने बताया कि पीड़िता और उसके परिवार को स्थानीय जनप्रतिनिधियों के करीबी लोगों द्वारा धमकाया जा रहा है और शिकायत वापस लेने के लिए दबाव डाला जा रहा है, जिसके चलते अन्य पीड़ित लड़कियां सामने नहीं आ पा रही हैं।
धनंजय मुंडे ने यह भी खुलासा किया कि मुख्य आरोपी विजय पवार के पास करोड़ों की संपत्ति है और वह जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर बेनामी जमीन, प्लॉट, रेड झोन में निजी स्कूल का निर्माण जैसे कई संदिग्ध लेन-देन कर चुका है। इन मामलों की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी गुट ने कोचिंग क्लास की आड़ में हजारों रुपये की अवैध वसूली की है और आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को टार्गेट किया गया है। उन्होंने राज्यभर के कोचिंग क्लासेस के लिए फीस की सीमा, वसूली प्रणाली और छात्रों की सुरक्षा के लिए एक सख्त नीति और आचारसंहिता लागू करने की भी मांग की है। इस तरह की व्यापक और नीति आधारित मांग करने वाले धनंजय मुंडे पहले विधायक बन गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार का आश्वासन देते हुए जल्द निर्णय लेने का भरोसा दिलाया है।

बीड नगर परिषद के खिलाफ मनसे का अनोखा आंदोलन!

गड्ढों में 'बेशर्म' का पौधा लगाकर की जोरदार नारेबाज़ी

बीड / प्रतिनिधि
बीड शहर के नागरिकों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण माने जाने वाले जुना बाजार कोतवाली वेस से बलभीम चौक, कारंजा रोड, राजुरी वेस से लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज चौक तक की सड़कों की बदहाली के विरोध में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ओर से सोमवार को बीड नगर परिषद के खिलाफ अनोखा आंदोलन किया गया। इस दौरान जुना बाजार स्थित सड़कों पर पड़े गहरे गड्ढों में बेशर्म' के पौधे लगाकर नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष करते हुए तीव्र घोषणाबाज़ी की गई।
बताया गया कि यह मार्ग बीड शहर के मध्यवर्ती और प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों से होकर गुजरता है, जहां से प्रतिदिन जिलेभर से नागरिक अपने व्यापारिक कार्यों के लिए आते हैं। लेकिन पिछले कई महीनों से इन सड़कों की मरम्मत शुरू नहीं की गई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों की भरमार के चलते दुर्घटनाओं का भी खतरा बना हुआ है।
नगर परिषद की अनदेखी और नागरिकों की हो रही पिसाई के विरोध में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की महिला आघाड़ी की राज्य उपाध्यक्ष वार्षताई जगदाळे की प्रमुख उपस्थिति और मनसे बीड शहराध्यक्ष पठाण अमरजान के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर मनसे जिला उपाध्यक्ष सदाशिव बिडवे, जिला अध्यक्ष आशा कुटे, उपाध्यक्ष कल्पना कवठेकर, सुरेखा ढाकणे, स्वराज मस्के, मोहम्मद सलीम, अब्दुल अजीम, तारेख चाऊस, रफीक शेख, मोमीन खादीर समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे।
मनसे ने नगर परिषद से मांग की है कि वह नागरिकों की हो रही पिसाई पर तत्काल संज्ञान ले और जल्द से जल्द सड़क मरम्मत कार्य शुरू कराए।

सामाजिक ज़िम्मेदारी की भावना से शुरू किया गया छात्रावास ज़रूरी था-पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर

बीड के शाहूनगर में 'व्यंकटेश गर्ल्स हॉस्टल' का उद्घाटन समारोह सम्पन्न

बीड / ३० जून (प्रतिनिधि):
आज के दौर में छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की थाती भी मिलनी चाहिए। हर माता-पिता की यही अपेक्षा होती है कि उनकी बेटी सुरक्षित वातावरण में रहकर पढ़ाई करे। इसी सामाजिक भावना से प्रेरित होकर छात्राओं के लिए सुरक्षित छात्रावास की ज़रूरत थी - यह बात पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने कही।
बीड शहर के शाहूनगर इलाके में प्रा. उमाकांत जगताप द्वारा स्थापित व्यंकटेश गर्ल्स हॉस्टल' का उद्घाटन पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर ह.भ.प. माऊली महाराज जगताप, प्रा. श्रीराम चौभारे,

डॉ. चैतन्य कागदे, डॉ. आत्माराम गंगणे, डॉ. प्रशांत गायकवाड़, जयंत जाधव, डॉ. तुकाराम बडे, अशोक पवार, डॉ. मंचक जाधव, पंजाबराव मस्के, ॲड. शहाजीराव जगताप, दिलीप घुमरे, प्रा. सत्येंद्र पाटिल, प्रा. नामदेव चांगण, प्रा. पी.आर. बोबडे, बबनराव उडाण सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।
इस अवसर पर बोलते हुए जयदत्त क्षीरसागर ने कहा कि बाहर पढ़ने जाने वाली छात्राओं की सुरक्षा के लिए अभिभावक हमेशा चिंतित रहते हैं। सिर्फ भौतिक नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा भी उतनी ही अहम है। उन्होंने कहा कि यह हॉस्टल किसी व्यावसायिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी की भावना से बनाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के हॉस्टल में केवल मूलभूत सुविधाएं ही नहीं, बल्कि मानसिक, भावनात्मक विकास, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वावलंबन का भी ध्यान रखना आवश्यक होता है। आज स्त्री और पुरुष के बीच कोई भेद नहीं रहा है - हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं और ऐसे माहौल में उन्हें एक सुरक्षित एवं सुसज्जित छात्रावास मिलना ज़रूरी है। मंत्री ने यह भी कहा कि आजकल समाज में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटनाएं हो रही हैं, ऐसे में सामाजिक चेतना को जागरूक करते हुए हम सभी को एकजुट होकर इस कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए।
इस मौके पर मोहनराव सोळूंके, अनंत पिंपळे, सूरज घुमरे, डॉ. हनुमंत जगताप, ज्ञानेश्वर जगताप सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नागरिक, बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे।

पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडेने इलेक्ट्रिक कार से की विधानभवन में एंट्री

प्रदूषण मुक्त महाराष्ट्र के लिए दिया प्रतीकात्मक संदेश

मुंबई / ३० जून (जमीर काजी)
महाराष्ट्र विधानमंडल के आज पहले ही दिन राज्य की पर्यावरण और पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने इलेक्ट्रिक व्हीकल (एत) से विधानभवन में प्रवेश कर सबका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने यह प्रतीकात्मक संदेश देते हुए कहा कि प्रदूषण मुक्त महाराष्ट्र के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाया जाना चाहिए।
पर्यावरण मंत्री के रूप में उन्होंने कुछ दिन पहले विभाग को निर्देश दिए थे कि उन्हें दैनिक यात्रा के लिए इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराया जाए। इस निर्देश के बाद आज उन्हें महिंद्रा कंपनी की 'महिंद्रा एक्सईवी ९ई' इलेक्ट्रिक कार उपलब्ध

कराई गई। विधिमंडल सत्र की शुरुआत के दिन ही उन्होंने रामटेक स्थित सरकारी निवास से विधानभवन तक इसी इलेक्ट्रिक कार से सफर किया। उनके साथ नगर विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल भी मौजूद थीं।
इस अवसर पर उन्होंने रामटेक निवास पर विधिवत पूजा कर एत कार की शुरुआत की। महिंद्रा कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें कार की चाबी सौंपी।
प्रदूषण कम करने के लिए सब करें एत का उपयोग - पंकजा मुंडे
विधानभवन पहुंचने के बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा, पर्यावरण मंत्री के नाते मैं यह प्रतीकात्मक संदेश देना चाहती हूँ कि प्रदूषण कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग ज़रूरी है। लंबे सफर में थोड़ी कठिनाई हो सकती है, लेकिन मुंबई जैसे शहर में एत का उपयोग संभव है। मैंने यह निर्णय इसी सोच के साथ लिया है।
उन्होंने जनता से भी अपील की कि अधिक से अधिक लोग इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करें, जिससे पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में बड़ी मदद मिल सके।

मुख्य सचिवपद पर नियुक्ति

राजेशकुमार साहब महाराष्ट्र के नए मुख्य सचिव नियुक्त

मुंबई, दिनांक ३० जून:
बीड जिल्हा परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर कार्य कर चुके राजेशकुमार साहब को महाराष्ट्र राज्य का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है।
उनकी इस नियुक्ति पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं भावी कार्यों के लिए शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

लोकनेते विनायकराव मेटे की जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ दी गई यादों को संजीवनी

बीड, ३० जून (प्रतिनिधि):

लोकनेते विनायकराव मेटे की जयंती आज ३० जून सोमवार को भावपूर्ण वातावरण में उनके स्मरण के साथ मनाई गई। सुबह से ही बीड स्थित स्मृति स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह ११ बजे आयोजित सामूहिक अभिवादन कार्यक्रम में सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के अनेक मान्यवरों के साथ शिवसंग्राम कार्यकर्ता, पदाधिकारी और मेटे साहब को चाहनेवाले हजारों लोग उपस्थित रहे।

गांव-गांव में आयोजित हुईं अभिवादन सभाएं

स्व. विनायकराव मेटे के स्मरण हेतु बीड जिले के हर गांव, वार्ड, वस्ती और तांडा पर अभिवादन सभाओं का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत कार्यालयों, सामाजिक सभागारों और वाचनालयों में नागरिकों ने मेटे साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की। बीड स्थित स्मृति स्थल पर सर्वपक्षीय सामूहिक अभिवादन किया गया।

मेटे साहब का सामाजिक योगदान अविस्मरणीय

विनायकराव मेटे केवल बीड के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण महाराष्ट्र के जननेता थे। उन्होंने अपने सामाजिक कार्यो से वंचित, शोषित और दलित समाज के लिए न्याय की लड़ाई लड़ी। सामूहिक विवाह कार्यक्रमों से कई परिवारों को बसाया, कोविड काल में जरूरतमंदों की मदद की, सूखे के समय किसानों के साथ खड़े रहे, व्यसनमुक्ति अभियान चलाया और युवाओं के लिए रोजगार मेले आयोजित किए।

मराठा आरक्षण आंदोलन के सेनापति

मराठा, मुस्लिम और धनगर आरक्षण के लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन अर्पित किया। उन्होंने यह दृढ़ संकल्प लिया था कि मैं अंतिम सांस तक मराठा आरक्षण के लिए संघर्ष करूंगा, और यह संघर्ष करते हुए ही मुंबई में आयोजित एक बैठक के लिए जाते समय उनका निधन हो गया। उनका जाना समाज के लिए एक गहरी क्षति है। श्रद्धांजलि सभा में उमड़े भावनाएं

इस अवसर पर उपस्थित कई लोगों की आंखें भर आईं। अत्यंत भावुक वातावरण में सभी ने विनम्र श्रद्धांजलि दी।

सभा में शिवसंग्राम अध्यक्ष डॉ. ज्योति विनायकराव मेटे, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभाकर कोलंगडे, अशोक हिंगे, दिलीप गोरे, नारायणराव काशिद, प्रा. सुभाष जाधव, राजेंद्र मस्के, उल्हास गिरम, सीए बी.बी. जाधव, अनिल घुमरे, डॉ. प्रमोद शिंदे, राजाभाऊ मोहाले, नारायणराव थोरात, निवृत्ती डोके, तुळशीराम पवार, ज्ञानेश्वर चौधरी, पंडित माने, प्रमोद कुलकर्णी, महेश वाघमारे, संजय पवार, गोरख शिंदे, राजेश भुसारी, भास्कर गायकवाड, उदय जोगदंड, सुनील शिंदे, बाळासाहेब खोसे, नवनाथ प्रभाळे, बाबासाहेब पाटील, लिंबराज वाघ, दोडके फैजी सहित शिवसंग्राम के अनेक कार्यकर्ता व नागरिक उपस्थित थे।

६२ रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

विनायकराव मेटे की जयंती पर बीड में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें अशोक हिंगे, संजय पवार, अतुल लंगोरे और सुशील कांबळे ने रक्तदान कर शिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर में कुल ६२ रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मेटे साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बीड में छात्रा के यौन शोषण मामले में हो सख्त कार्रवाई

विधान परिषद उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे की विशेष मांग

बीड । ३० जून २०२५:

बीड के एक निजी कोचिंग क्लास में नाबालिग छात्रा के साथ हुए यौन शोषण की चौंकाने वाली घटना को गंभीरता से लेते हुए महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे ने छत्रपती संभाजीनगर परिक्षेत्र के विशेष पुलिस महानिरीक्षक को पत्र भेजकर तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की है।

डॉ. गोर्हे ने इस घटना को अत्यंत निंदनीय और समाज को झकझोर देने वाला बताते हुए कहा कि यह प्रकरण नाबालिग छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के उद्देश्य से कोचिंग क्लास जाने वाली छात्रा के साथ इस प्रकार की घटना होना किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है, और ऐसे तत्वों को समय रहते रोकना बेहद ज़रूरी है।

उन्होंने जानकारी दी कि पीड़िता ने साहस दिखाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है और आरोपियों पर अपराध दर्ज किया जा चुका है। ऐसे मामलों में त्वरित न्याय प्रक्रिया और सख्त कानूनी कार्रवाई ज़रूरी है, ऐसा स्पष्ट मत उन्होंने व्यक्त किया।

डॉ. गोर्हे ने अपनी मांग में निम्नलिखित मुद्दों पर तुरंत कार्रवाई की आवश्यकता जताई:

आरोपियों पर कठोर कार्रवाई और शीघ्र न्यायिक प्रक्रिया आरंभ की जाए।

पीड़िता को मानसिक, कानूनी और सामाजिक समर्थन उपलब्ध कराया जाए।

बीड जिले सहित अन्य निजी कोचिंग क्लासेस की सुरक्षा की दृष्टि से जांच की जाए।

इन संस्थानों में सख्त आचार संहिता और रोकथाम के उपाय प्रभावी ढंग से लागू किए जाएं।

उन्होंने कहा कि, इस मामले को जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत देखा जाए और तुरंत कार्रवाई की जाए, यही जनता की भी अपेक्षा है। महिला सुरक्षा के लिए सरकार और पुलिस प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए, ऐसा स्पष्ट मत डॉ. नीलम गोर्हे ने व्यक्त किया।

बालेपीर क्षेत्र में सड़क समस्या के समाधान पर मोहम्मद खमरोद्दीन ने जताया आभार

विधायक संदीप क्षीरसागर और पूर्व विधायक सैय्यद सलीम ने की समस्याओं की सुनवाई, नागरिकों में खुशी का माहौल

बीड / प्रतिनिधि ।

बीड शहर के बालेपीर इलाके में चल रहे विकास कार्यो के निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय विधायक संदीप क्षीरसागर और पूर्व विधायक सैय्यद सलीम पहुंचे। इस अवसर पर कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के शहराध्यक्ष मोहम्मद खमरोद्दीन ने चाऊस गली, आदित्य नगर, बिलाल मस्जिद और अजमेर नगर क्षेत्र की जर्जर सड़कों और नालियों की समस्या को उनके समक्ष रखा।

मांग के तुरंत बाद इन क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान शुरू कर दिए जाने पर मोहम्मद खमरोद्दीन ने बालेपीर क्षेत्र के नागरिकों की ओर से दोनों नेताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विधायक संदीप क्षीरसागर और पूर्व विधायक सैय्यद सलीम के दूरदर्शी नेतृत्व के चलते बीड शहर के सर्वांगीण विकास की दिशा में ठोस पहल हो रही है और जनजीवन से जु मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

खमरोद्दीन ने आगे बताया कि बालेपीर क्षेत्र के एकनाथ नगर, अमराई, अमन पार्क, पूर्वी वार्ड क्रमांक ११ के इलाके में सड़कों और नालियों की हालत अत्यंत खराब थी। यह विषय जब जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा गया, तो उन्होंने तुरंत संज्ञान लेते हुए काम शुरू करवा दिया। अब जब क्षेत्र में विकास कार्य शुरू हो चुके हैं, तो वहां के नागरिकों में उत्साह और संतोष का माहौल है।

इस विकासात्मक पहल के लिए मोहम्मद खमरोद्दीन ने बालेपीर के नागरिकों की ओर से वर्तमान विधायक और पूर्व विधायक दोनों का आभार प्रकट किया।

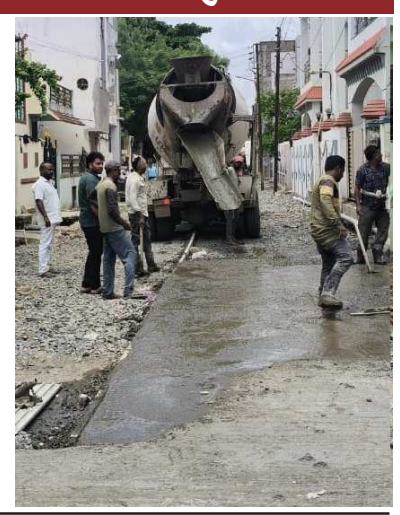

शरदचंद्र पवार का साथ झोड मा.आ.विजय भाबंळे अजित पवार गुट में होंगे शामिल

जिंतूर (एम एजाज जिंतूरकर) परभणी जिल्हे के शरदचंद्र पवार गुट के दिग्गज नेता तथा जिंतूर सेलू मतदारसंघ के मा आ विजय भाबंळे आज दि १जुन २०२५मगलवार को मुंबई में अजित पवार गुट में पक्ष प्रवेश करेंगे!गत कई दिनों से मतदारसंघ में चर्चा चल रही थी!के मा आ विजय भाबंळे ये अजित पवार गुट में जानेवाले हैं! मा आ विजय भाबंळे ने गत विधानसभा चुनाव में हार हुई थी! उस के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बहोत उथलपुथल देखने को मिला! महाविकास आघाड़ी विरोधी पक्ष बहोत कमजोर हो गया! जिंतूर सेलू मतदारसंघ में भाजपा की विधायीका सौ मेघना दीदी साकोरे बोर्डीकर का राज्य मंत्री मंडल में समावेश हो गया! और परभणी जिल्हे का पालक मंत्री पद भी चयन होने से शरदचंद्र पवार गुट के मा आ विजय भाबंळे के कट्टर समर्थक विश्वासु पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं ने साथ छोड़ भाजपा में और अजित दादा के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में प्रवेश कर लिया! राजनीति में रहने के लिए! गॉडफादर नेता की आवश्यकता होती है! आगामी कुछ दिनों में स्थानिक स्वराज्य संस्थावो के चुनाव होना है! और कार्यकर्ता वो बल देने के लिए! सत्ता की जोड होना चाहिए! क्यु के महाविकास आघाड़ी के घटक दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार गुट बहोत कमजोर है! जिस के चलते मा आ विजय भाबंळे ने शरदचंद्र पवार गुट राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का साथ छोड़ अपने असंख्य कार्यकर्ता वो के साथ मुंबई में अजित पवार गुट का दामन थामने का निर्णय लिया है! जिंतूर में अब विरोधी पक्ष ही नहीं रहा!

बीड में छात्रा के लैंगिक शोषण मामले में आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करें-मंत्री पंकजा मुंडेने एसपी को दिए निर्देश

बीड / ३० जून

बीड शहर के उमाकिरण शैक्षणिक संकुल में कोचिंग क्लास में पढ़ने वाली एक १७ वर्षीय छात्रा के लैंगिक शोषण के मामले में पर्यावरण एवं पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने बीड के पुलिस अधीक्षक नवनीत कावत को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

मंत्री पंकजा मुंडे ने हाल ही में एसपी से फोन पर बातचीत कर इस गंभीर मामले की जानकारी ली और कहा कि आरोपी किसी भी हालत में छूटने नहीं चाहिए। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, उमाकिरण शैक्षणिक संकुल के शिक्षक प्रशांत खटावकर और विजय पवार ने पिछले एक वर्ष से उक्त नाबालिग छात्रा का यौन शोषण किया था। छात्रा द्वारा शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के बाद पंकजा मुंडे ने तत्काल एसपी को फोन कर दोनों आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे।

मंत्री मुंडे ने कहा कि यह घटना अत्यंत निंदनीय है और इससे पूरे जिले की छवि को धक्का पहुँचा है। शिक्षक द्वारा किया गया यह कृत्य बेहद गंभीर है और इनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इस तरह की शिकायतें और भी पालकों के पास हैं तो उन्हें राज्य सरकार की ओर से पूरी सुरक्षा दी जाएगी।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे आगे आएं और यदि ऐसी घटनाओं का शिकार उनके बच्चे भी हुए हैं, तो वे बेहिचक शिकायत करें। सरकार उनकी पूरी मदद करेगी।

तहसीलदार चंद्रकांत शेलकेने किया ऐतिहासिक कारंजा टॉवर का निरीक्षण

एस.एम. युसूफने पूर्ण पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक सुझाव रखे

बीड / प्रतिनिधि

शहर के ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति गहरी रुचि रखने वाले बीड के तहसीलदार चंद्रकांत शेलके ने शनिवार, २८ जून २०२५ को बीड शहर के प्रसिद्ध और ऐतिहासिक कारंजा टॉवर का दौरा कर उसका निरीक्षण किया।

इस अवसर पर स्वतंत्र पत्रकार एस.एम. युसूफ, जो पिछले दस वर्षो से कारंजा टॉवर के पूर्ण पुनर्निर्माण की माँग कर रहे हैं, ने तहसीलदार शेलके के समक्ष टॉवर के संरक्षण और मरम्मत से संबंधित सभी महत्त्वपूर्ण मुद्दों को विस्तार से रखा।

निरीक्षण के दौरान तलाठी शब्बीर पठान, शेख लईख, जहीर शेख और सय्यद सरफराज उपस्थित रहे। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और उद्यमी रमेशराव गंगाधरे कुछ अपरिहार्य कारणों से उपस्थित नहीं हो सके।

एस.एम. युसूफ ने तहसीलदार को जानकारी देते हुए बताया कि कारंजा टॉवर का निर्माण वर्ष १८३८ में हुआ था और अब तक इसे १८७ वर्ष पूरे हो चुके हैं। मात्र १३ वर्षो में यह ऐतिहासिक धरोहर २०० वर्ष पूर्ण कर लेगी। ऐसे ऐतिहासिक स्मारक का संरक्षण, रखरखाव और आवश्यक मरम्मत कार्य पूरी तरह प्रशासनिक उदासीनता के चलते उपेक्षित हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि बार-बार निवेदन देने और समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित कराने के बावजूद न तो जिला प्रशासन और न ही नगर परिषद ने इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाया है। यहां तक कि बीड के जनप्रतिनिधि भी इस महत्त्वपूर्ण धरोहर के संरक्षण के प्रति उदासीन हैं। ऐसे में तहसीलदार के रूप में आपसे अपेक्षा है कि कम से कम अपने स्तर से जो कुछ संभव हो वह किया जाए।

इस पर तहसीलदार चंद्रकांत शेलके ने आश्वस्त करते हुए कहा, कारंजा टॉवर बीड शहर की एक ऐतिहासिक पहचान है। यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और इसका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। तहसीलदार के रूप में जो भी कार्य मेरे स्तर से किया जा सकता है, मैं अवश्य करूंगा।

पवार-खाटोकर प्रकरण में पिंक पथक की भूमिका संदिग्ध

जांच महिला आईपीएस अधिकारी को सौंपी जाए; छात्रा बचाव संघर्ष समिति की एसपी से माँग

बीड (प्रतिनिधि): उमाकिरण शैक्षणिक संकुल के कोचिंग क्लासेस में एक छात्रा पर हुए अत्याचार के मामले में प्रा. विजय पवार और प्रशांत खाटोकर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस प्रकरण की जांच पिंक पथक को सौंपी गई है, लेकिन उनकी भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। इसी के चलते छात्रा बचाव संघर्ष समिति ने सोमवार (दिनांक ३०) को पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन देकर माँग की है कि यह मामला किसी महिला आईपीएस अधिकारी को सौंपा जाए।

कोचिंग क्लास में छात्रा पर हुए अत्याचार के चलते विजय पवार और प्रशांत खाटोकर पर पॉक्सो (POCSO) के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि जांच पिंक पथक कर रहा है, लेकिन समिति का आरोप है कि पिंक पथक की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। गिरफ्तारी के बाद पिंक पथक ने तो पीसीआर (पुलिस कस्टडी) की माँग की, लेकिन घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की माँग नहीं की, जो कि बेहद जरूरी थी। इसके अलावा, सीडीआर (Call Detail Record), एसडीआर (Subscriber Detail Record) की जाँच और पीड़िता के फोटो जिस मोबाइल में हैं, उस मोबाइल का उल्लेख भी पीसीआर यादी (सूची) में नहीं है। इस कारण पिंक पथक की भूमिका पर सवाल उठे हैं। समिति ने माँग की है कि पीड़िता को न्याय दिलाने

हेतु इस पूरे मामले की जाँच किसी महिला आईपीएस अधिकारी को सौंपी जाए। कोचिंग क्लास और आसपास के कोचिंग संस्थानों के सीसीटीवी फुटेज की जाँच की जाए। प्रत्येक कोचिंग संस्थान में दो महिला कर्मचारी अनिवार्य रूप से नियुक्त किए जाएं। आरोपी को मदद करने वालों की सीडीआर और एसडीआर की जाँच कर, उन्हें भी आरोपी बनाया जाए।

इसके अलावा समिति ने यह भी माँग की है कि जब आरोपियों को कोर्ट ले जाया गया, तब उन्हें हथकड़ी क्यों नहीं पहनाई गई - इसकी भी जानकारी दी जाए। उमाकिरण संकुल में पढ़ने वाली सभी छात्राओं का गुप्त बयान किसी सक्षम महिला अधिकारी के समक्ष दर्ज किया जाए। विजय पवार के कोचिंग क्लास के सभी लेन-देन के रिकॉर्ड जब्त कर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के माध्यम से जाँच की जाए।

राज्य महिला आयोग द्वारा दिए गए आदेशों का पालन करते हुए संबंधित कोचिंग संस्थान को सील किया जाए। क्लास में पढ़ने वाले छात्रों की फीस वापस की जाए। साथ ही पवार के क्लास की कानूनी पंजीकरण है या नहीं - इसकी भी जाँच की जाए।

यह माँगें छात्रा बचाव संघर्ष समिति की ओर से ॲड. संगीता धसे, शांताबाई पाळवदे, मुसळे ताई, मंगल जायभाये, किरण डोळस, हिराबाई कांबळे, प्रा. सचिन उबाळे, ॲड. महेश धांडे, अनुरथ वीर और सोमेश कदम द्वारा की गई हैं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com